



Karishma Nigam

27 Dec 1983

Model: Numerology-Report

Order No: 121850101

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121850101

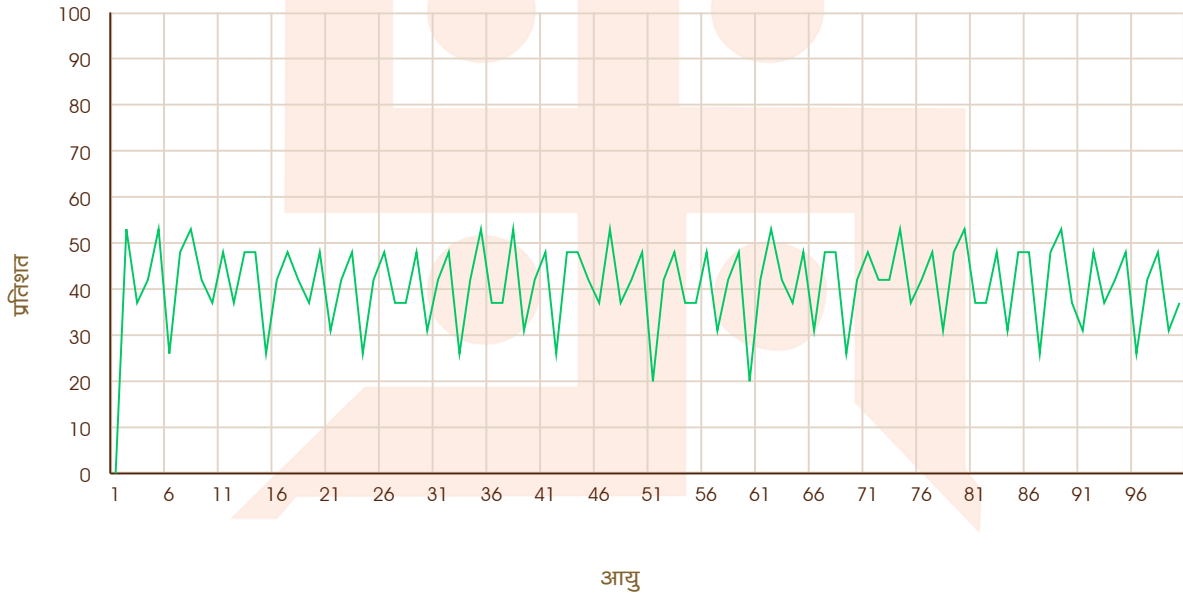
Date: 07/04/2026

नाम	Karishma Nigam
जन्म तिथि	27/12/1983
मूलांक	9
भाग्यांक	6
नामांक	6
मूलांक स्वामी	मंगल
भाग्यांक स्वामी	शुक्र
नामांक स्वामी	शुक्र
मित्र अंक	3, 6
शत्रु अंक	1, 7
सम अंक	2, 4, 5, 8
मुख्य वर्ष	1998,2007,2016,2025,2034,2043,2052,2061
शुभ आयु	15,24,33,42,51,60,69,78
शुभ वार	मंगल, बुध, शुक्र
शुभ मास	मार्च, जून, सित
शुभ तारीख	9, 18, 27
शुभ रत्न	मूंगा
शुभ उपरत्न	संगमूंगी
अनुकूल देव	हनुमान
शुभ धातु	ताम्र
शुभ रंग	रक्त
मंत्र	ॐ सां सीं सौं सः केतवे नमः
शुभ यंत्र	केतु यंत्र

14	9	16
15	13	11
10	17	12

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1998,2007,2016,2025,2034,2043,2052,2061

शुभ आयु 15,24,33,42,51,60,69,78

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 27 होने से दो और सात के योग द्वारा नौ आपका मूलांक होगा। जिसका अधिष्ठाता ग्रह मंगल है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक सात का भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह है।

मूलांक नौ का स्वामी मंगल एवं उनके ग्रहमण्डल का सेनापति होने से आपके अन्दर सेनापतित्व की भावना अधिक रहेगी। आप बचपन से अन्तिम अवस्था तक मुखिया के रूप में रहना पसन्द करेंगी। ऐसा ही रोजगार का क्षेत्र चुनेंगी, जिसमें आप स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें। साहस आपके अन्दर कूट-कूट कर भरा होगा तथा साहसिक कार्यों को करने में आपको विशेष आनन्द की अनुभूति होगी। स्वभाव से आप तेज गति वाली, शीघ्रातिशीघ्र कार्य को अंजाम देने वाली तथा जल्दी एवं फुर्ती से सभी कार्यों को संपादित करने वाली महिला के रूप में ख्याति अर्जित करेंगी।

साहस आपका मुख्य गुण रहेगा और दुःसाहस अवगुण। कभी-कभी दुःसाहस वश आप अपने जीवन में गहरी चोट भी खायेंगी। अनुशासन पालन करना एवं कराना आपके स्वभाव में रहेगा। इससे आप कठोर हृदय की महिला कहलायेंगी। लेकिन कोई भी व्यक्ति आपकी खुशामद, चापलूसी करके आपसे वांछित कार्य करा सकता है। अतः इस अवगुण के कारण खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से आप जीवन में कई बार हानि भी उठायेंगी। क्रोध की मात्रा आपके स्वभाव में ज्यादा ही रहेगी। इससे आपको हानियों की संभावनाएं प्रायः बनी रहेंगी एवं आपके शत्रुओं, विरोधियों की वृद्धि का कारण आपका क्रोध बनेगा।

अंक दो का स्वामी चंद्र एवं सात का नेपच्यून आपकी कल्पना शक्ति, अन्वेषण कार्यों में वृद्धि करेगा। आपको बाग-बगीचे, हरियाली, जंगल, पहाड़ों की सैर करना अच्छा लगेगा।

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओं के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगी। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगी। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण की शौकीन रहेंगी। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रही हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनती हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

आपका मूलांक 9 है तथा भाग्यांक 6 है। मूलांक 9 का स्वामी मंगल है तथा

भाग्यांक 6 का स्वामी शुक्र है। मूलांक 9 एवं भाग्यांक 6 के बीच मित्र संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक एवं भाग्यांक के शुभ फलों में वृद्धि प्राप्त होगी। मंगल एवं शुक्र के योग से आप चौंसठ कलाओं में से किन्हीं एकाधिक कलाओं में पारंगत हो सकती हैं। आपका रोजगार-व्यापार कला या तकनीकी क्षेत्र की किसी शाखा में संभव है। आपके अंदर ज्ञान-विज्ञान में अच्छी रुचि रहेगी एवं आपके अंदर छिपी हुई कला का आप रोजगार-व्यापार में भरपूर उपयोग करेंगी। युवा अवस्था से ही आप धन संग्रह की ओर उन्मुख होंगी तथा अपनी आवश्यकता के अनुरूप धन का संग्रह करने में समर्थ रहेंगी। युगानुसार आपको भौतिक सुख-संपदाओं की वस्तुएं प्राप्त होने में कोई कठिनाई नहीं आएगी। आप जो भी कार्य हाथ में लेंगी, उसे पूर्ण साहस के साथ अंजाम देंगी। आपका भाग्य युवा अवस्था से ही अच्छा चलेगा। आपकी सामाजिक स्थिति काफी ठीक रहेगी।

आपका भाग्योदय 24 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 33 वर्ष की अवस्था से आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 42 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 9 की 3 एवं 6 से मित्रता है तथा भाग्यांक 6 की 3 एवं 9 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में 3, 6, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे तथा इनसे आपके जीवन में प्रमुख घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक की आपके भाग्यांक से मित्रता होने से मूलांक-भाग्यांक के फल आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, या उपर्युक्त वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभवार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगी, तो पाएंगी कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, मार्च, जून, सितंबर, माह विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे दिन, तारीख तथा मास में प्रारंभ करें, जब आपके मूलांक तथा भाग्यांक में मेल स्थापित हो तथा एक ही समय पर सभी शुभ हों।

मूलांक 9 एवं भाग्यांक 6 के प्रभाववश ईस्वी सन् जिनका योग 3, 6, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 6, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बनेंगी।



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Karishma Nigam
2+1+2+1+3+5+4+1 5+1+3+1+4
नाम का योग : 33 नामांक : 6

आपके नाम का कुल योग तैंतीस है। तीन एवं तीन के योग से छह आपका नामांक होता है। अंक तीन का स्वामी गुरु एवं नामांक छह का स्वामी शुक्र ग्रह है। इन दोनों ही ग्रहों के प्रभाव आपके नाम को संचालित करेंगे। गुरु के प्रभाव से आपका नाम काफी विस्तृत क्षेत्र में पहचान स्थापित करेगा। आपका नाम दूर-दूर तक प्रसारित होगा एवं रहन-सहन की परिस्थितियों के अनुसार दूरस्थ देशों के लोगों के मध्य आप लोकप्रिय होंगी। नामांक स्वामी शुक्र के प्रभाव से कला जगत में आपको लोकप्रियता प्राप्त हो सकती है। आपकी विभिन्न कलाओं में स्वाभाविक रुचि रहेगी एवं अच्छे अवसर यदि आपको कला के क्षेत्र में प्राप्त होते हैं तो आप उच्चकोटि की सफलता प्राप्त करेंगी तथा आपका नाम लोकप्रिय महिला के रूप में जाना जाएगा। शुक्र ग्रह अच्छी भौतिक संपदा देता है। अतः आपको नामांक के प्रभाव से सांसारिक भौतिक सुख सुविधाएं उत्तम प्राप्त होंगी।

आपके नाम का नामांक 6 है। यही आपका भाग्यांक भी है। इन दोनों के आपके मूलांक 9 से मित्र संबंध होने के कारण आपको अपने जीवन में मूलांक भाग्यांक तथा नामांक के पूर्ण फल प्राप्त होंगे। इसके प्रभाव से आपका नाम आपके लिए सौभाग्य पूर्ण रहेगा एवं आपका नाम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अच्छी लोकप्रियता को प्राप्त करेगा। आपके कार्यक्षेत्र में, आपके सहयोगियों के मध्य आपका नाम लोकप्रिय रहेगा एवं वे सब आपके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। जीवन की मध्य अवस्था से आपको अपने नाम के अनुरूप ख्याति, धन, मान एवं सम्मान मिलना प्रारंभ हो जाएगा। अन्तिम अवस्था में आप सम्मान भरा जीवन यापन करेंगी एवं इस लोक में आपकी ख्याति अमर रहेगी।

आपका नामांक 6 आपके मूलांक 9 एवं भाग्यांक 6 से पूर्णतः मिलान करता है। अतः आपका नाम आपके लिए सौभाग्य पूर्ण रहेगा। इसलिए आपको अपने नाम में परिवर्तन करने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी कारणवश आपको अपने नाम में परिवर्तन करना आवश्यक लगे, तब आप ऐसे ही नाम का चुनाव करें जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मिलान करे एवं उसका नामांक 9 आता हो और 1 न हो तो ऐसा नामांक आपके लिए शुभ फलदायक एवं उन्नतिशील रहेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 3,6 अंक अच्छे

रहेंगे तथा 7,8 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$

लोशु फल

	9 9	2 2
4	9	2
3		7
3	5	7
8	1 1	6
8	1	6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में दो बार एक अंक की उपस्थिति होने से आप स्वयं को सुगमता व सहजता से व्यक्त कर पाते हैं, आप जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, तथा परिस्थितियों का सही अध्ययन कर पाने में सक्षम होते हैं, आप अच्छे साथी, बुद्धिमान एवं आनंदवृत्ति वाले, सुखद एवं अच्छे स्वभाव वाले हैं, दूसरे व्यक्ति के विचारों को भी सुगमतापूर्वक समझ लेते हैं। आप किसी अन्य व्यक्ति की राय को समझने में भी सक्षम हैं। आप महत्वकांक्षी हैं आपको किसी भी प्रकार का प्रतिबंध पसंद नहीं है। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं। नौकरी करते हो या कोई व्यापार, लेकिन आप ऊँचे से ऊँचे पहुँच कर ही रहते हैं। आप अपने लक्ष्य के प्रति सदा सजग रहते हैं क्योंकि आपका लक्ष्य निश्चित

और निर्धारित होता है। निर्णय लेने में भी आप बहुत दक्ष हैं किसी भी विषय पर सोच-समझ कर निर्णय लेना आपका विशेष गुण है। आपका व्यक्तित्व और जीवन सदा स्वतंत्र रहता है, विचारों की मौलिकता आपकी एक विशेषता है। चार्ट में यह 1 के अंक की सर्वोत्तम संख्या मानी जाती है।

अंक 2 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक दो बार उपस्थित हैं। अतः आप बुद्धिमान, संवेदनशील व अंतर्ज्ञानि हैं, आप अपने अंतर्ज्ञान प्रतिभा का अच्छा उपयोग कर पाने में सक्षम हैं। आप में दूसरे व्यक्तियों के उद्देश्य को जानने की अदभुत क्षमता है एवं उनका प्रयोजन तुरंत जान लेते हैं। आप एक नजर में दूसरों का आंकलन करने में माहिर हैं, अपने जीवन के क्षणों को व्यर्थ नहीं गंवाते, आप समय की कीमत जानते हैं। किसी भी कार्य का आप तुरंत निर्णय कर लेते हैं और आपके निर्णय सही भी होते हैं। आपका सबसे महानतम गुण है कि आप परिस्थिति के अनुसार अपने आप को ढाल लेते हैं, समय और परिस्थिति के अनुसार अपने आपको बना लेने की इनमें अदभुत क्षमता होती है, इसी कारण समाज में हर जगह आपको सम्मान मिलता है, धन की कोई कमी नहीं होती, आप अपनी बुद्धि के बल पर आसानी से धनार्जन कर लेते हैं। आपके जीवन में कोई न कोई सहायक बना रहता है, यदि एक पीछे हट जाता है। तो दूसरा सहायक मिल जाता है, इस प्रकार आपके जीवन में सच्चे सहायकों की कमी नहीं रहती।

अंक 3 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में तीन अंक एक बार उपस्थित है। अतः आपकी स्मरण शक्ति तीव्र तथा मस्तिष्क तीक्ष्ण व विचारोत्पादक होता है, आप व्यावहारिक होते हैं, और अपने लक्ष्य तक पहुंचने में आपका दृष्टिकोण बहुधा आशावादी ही होता है, अपनी सकारात्मक सोच व आशावादी दृष्टिकोण से दूसरों को प्रेरणा देने में भी सक्षम होते हैं। मानसिक और शारीरिक रूप से आप विशेष सुदृढ़ हो, आप बड़े स्वाभिमानी हैं। किसी के आगे झुकना नहीं चाहते, स्वतंत्र प्रकृति के होते हैं, मित्र अधिक होते हैं और उनसे ही लाभ मिलता है। आप उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं, अध्ययनशील तथा पढ़ने लिखने में दक्ष होते हैं, कला, विज्ञान और साहित्य में आपकी रुचि होती है, आपका रचनात्मक दिमाग और उतकृष्ट स्मृति है। आप में से कुछ लोग जमीन से जुड़े होते हैं, आप अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हो, आप अपनी आशावादिता और ईमानदारी से दूसरों को प्रेरित करने में सक्षम हो। आप जिस कार्य को करने की ठान लेते हैं तो उसे करके ही छोड़ते हैं। साथ ही आप एक अच्छे विचारक, दूरदर्शी, संभावित घटनाओं को भांप लेने वाले होते हैं।

अंक 4 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में चार का अंक अनुपस्थित है। अतः आप पूर्वनिर्धारित योजना के अनुसार कार्य नहीं कर पाते। कई बार आप अपने विचारों में उलझे रहते हैं और दिशाहीन हो जाते हैं। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है, जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती

है, विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने में परेशानी महसूस होती है। आपमें दिमाग, बुद्धि और अनुशासन की कमी होती है, आप वक्त की उपयोगिता को नहीं समझ पाते। आप संयोजित नहीं होते, जिस कारण आपको जितनी सफलता मिलनी चाहिए उतनी नहीं मिल पाती। आवश्यकता इस बात की है कि आप सुव्यवस्थित होकर अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ें, इस अंक की अनुपस्थिति से आप अपने ज्ञान, सम्पर्क, परिवार के सदस्य तथा अपने कर्मचारियों से भी पूरा लाभ नहीं ले पाते। धीरता और सहनशीलता के गुणों के विकास से जीवन आपके लिए आसान बन जाता है।

अंक 5 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 5 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप लक्ष्य निर्धारण में कठिनाई का अनुभव करते हैं, और आपमें बहुमुखी प्रतिभा व इच्छा शक्ति का अभाव होता है। आप वार्तालाप करने में असफल, पढ़ने में मन न लगना व पैसे का अभाव बना रहता है। आप जल्दी ही धैर्य छोड़ देते हैं, सफलता भी आसानी से नहीं मिलती, क्योंकि इनका बात करने का ढंग अच्छा नहीं होता है। चोट-चपेट और दुर्घटनाओं का दुर्योग बनता है। शस्त्राघात व दुर्घटना की संभावना जीवन में हमेशा रहती है। आपको हमेशा ही वाहन आदि सावधानी से चलने चाहिए। आपको अपने व्यक्तिगत जीवन में कई चुनौतियों और उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ता है। कई कार्यों में असफलता प्राप्त होती है, आपके पारिवारिक जीवन में उथल-पुथल मची रहती है। आपको दूसरों से सतत प्रेरणा की आवश्यकता होती है। ऐसे में आपको चाहिए कि यथार्थ लक्ष्य को निर्धारित करना सीखें, और उसे प्राप्त करने के पश्चात् ही अगले लक्ष्य की ओर बढ़ें। अंक पांच की चार्ट में अनुपस्थिति सामान्य है।

अंक 6 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में छः अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप अपने घर और सगे-सम्बन्धियों से बहुत स्नेह करते हैं। आप अपने पारिवारिक उत्तरदायित्व को निभाना पसंद करते हैं और घरेलू जिम्मेदारियों का आनंद लेते हैं। आप में स्वनात्मक क्षमता है व आप अतिशय क्रियात्मक सामर्थ्य के स्वामी हैं। आप समाज में लोकप्रिय होते हैं, गंभीर से गंभीर रहस्य को भी आप सामने वाले के मन से निकलने में चतुर होते हैं। आप पूर्णतः सांसारिक और अपने लक्ष्य तक पहुँचने में सफल होते हैं। आप परिश्रमी सुव्यवस्थित व मर्यादित रहते हैं, आप एक ही आजीविका से संतुष्ट नहीं होते, आपकी दृष्टि में व्यापार प्रधान होता है, भले ही आप नौकरी करते हों, और आप इन कार्यों में सफल भी होते हैं, आप अच्छे माँ-बाप और अंततः ऐसे व्यक्ति सिद्ध होते हैं, जिनके पास परिवार का प्रत्येक सदस्य विपत्ति के समय परामर्श लेने आता है, परन्तु आपमें असुरक्षा की तीव्र भावना भी होती है, और आप नाहक ही वैधुर्य व एकाकीपन की चिंता में लीन रहते हैं।

अंक 7 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में सात अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप प्रेम, स्वास्थ्य अथवा संपत्ति खोकर जीवन का गूढ़ अनुभव प्राप्त करते हैं, कड़वे अनुभवों से सिखने के कारण आपका झुकाव

अधिकाधिक आध्यात्मिक अथवा आत्म-ज्ञान की ओर हो जाता है। आप आंतरिक बातों को समझने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। आपके शरीर के निचले अंगों में चोट लगने अथवा रोग की प्रायः संभावना रहती है। आप किसी भी कार्य को स्वयं करने में समर्थ होते हैं। आप अव्यवहारिक, अत्यधिक कल्पना, और भयभीत रहते हो, जिस कारण आपको रोजमर्रा की जिंदगी में अच्छी तरह से काम करना मुश्किल हो जाता है। कई बार आपकी अत्यधिक स्पष्टवादिता एवं अपनी पहचान का अहम कई बार आपको दूसरों का गुलाम बना देता है। आपकी स्मरणशक्ति कमजोर होती है, इस कारण आप दैनिक जीवन के कार्यों में कठिनाता का अनुभव करते हैं।

अंक 8 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में आठ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप न्यायवर्ती, विधिपूर्वक कार्य करने वाले व विवरण संपादन के लिए उपयुक्त होते हैं, लेकिन यह आश्चर्य की बात है, कि आप हाथ में लिए कार्य पूर्ण नहीं कर पाते। आप चपल बुद्धि के स्वामी होते हैं, और नित्य नए विषम कार्य ढूंढते हैं। आपमें एकाग्रता की कमी होती है, और जीवन में बड़ा संघर्ष करना पड़ता है। फिर भी जीवन में अधिक सफल नहीं हो पाते हैं, इसलिए ये एकाकीपन का अनुभव करते हैं। आपमें बाहरी प्रदर्शन नहीं होता, इसलिए समाज आपको कठोर एवं रूखे हृदय का मानता है। आप अपने मर्जी के मालिक होते हैं तथा कई बार असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। यदि आप सही रूप में शिक्षित तथा आत्मनियंत्रित नहीं होते तो आप जल्दबाजी में काम करते हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ता है, आपके कामों में कई बाधाएं भी आती हैं, और कार्य विलम्ब से पुरे होते हैं।

अंक 9 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप आदर्शवादी, बुद्धिमान परन्तु कभी कभी दूसरों के लिए समस्याजनक होते हैं लेकिन आप अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं। अतएव कभी कभी ऐसे लोगों को हेय दृष्टि से देखते हैं जो उन जैसे बुद्धिमान नहीं हैं। आप खास तौर पर उन कार्यों में सफल होते हैं, जहाँ कल्पनाशीलता, कलात्मकता, एवं रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, यह लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। आपको अच्छे अवसर प्राप्त होते हैं तथा दूसरों की सहायता आपको प्राकृतिक रूप से मिलती रहती है। जिससे आपका जीवन तो सफल होता ही है, साथ ही यह दूसरों के लिए भी काफी उपयोगी होता है, प्रायः आप घर के बड़ों के प्रभाव में होते हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि आप समाज के सब स्तरों के लोगों से सामान मेल-जोल रखें।

केंद्र के चार अंकों (9, 3, 1, 7) की उपस्थिति -

आपके लोशु चार्ट में केंद्र के चार अंक (9, 3, 1, 7) उपस्थित है। अतः यह अत्यंत शुभ स्थिति बनती है, आप तीव्र बुद्धि के दयावान, नई-नई अचीवमेंट हासिल करने वाले होते हैं। आप अपना लक्ष्य निर्धारण करके चलते हैं, इसलिए जॉव और विजनेस दोनों में ही सफलता प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन व्यावसायिक गतिविधियों में अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं। आपके ऊपर भगवान

का पूरा आश्रीवाद बना रहता है, एक के बाद एक चीज प्राप्त होगी, आप निष्ठावान भावुक और दूसरों की मदद करने वाले हैं। आपमें दूसरों की भावना समझने की योग्यता है। आप कठिन एवं मुश्किल परिस्थिति में नहीं घबराते, आप बेहद चतुर कूटनीतिज्ञ, राजनीतिज्ञ होते हैं। केंद्र स्थानों में पहला केंद्र 9 अंक है, जिसके स्वामी ग्रह मंगल हैं, जो पराक्रम के कारक, दूसरा केंद्र 3 अंक है। जिसके स्वामी गुरु हैं, जो ज्ञान के कारक हैं, तीसरा केंद्र 1 अंक है, एक अंक सूर्य का प्रतिनिधित्व करता है, और सूर्य आत्मबल के कारक हैं, चौथा केंद्र 7 अंक है जो केतु का प्रतिनिधित्व करता है, और केतु है अध्यात्म, इस प्रकार इन चारों केंद्रों का भरा होना आपके लिए अत्यंत शुभता की स्थिति बना रहा है।

समृद्धि के अंक - 8. 1 व 6

आपके लोशु चार्ट में 8. 1 व 6 अंकों की उपस्थिति है। अतः आप व्यापार और वाणिज्य सम्बन्धी कार्यों में उत्तमता का प्रदर्शन करते हैं। आप जीवन के उच्चतर गुणों में प्रायः कोई रुचि नहीं रखते, केवल मात्र धन कमाने में ही रुचि रखते हैं। आप मिलनसार, खूब सोच-विचार कर कार्य करने वाले व संवेदनशील होते हैं, आप अच्छी मात्रा में भौतिक सफलता तो प्राप्त करते हैं, लेकिन ऐसा आप प्रायः दूसरों की संवेदनाओं व आवश्यकताओं की उपेक्षा करके करते हैं। आप किसी भी स्थिति में अपनी स्वतंत्रता से समझौता नहीं कर सकते हैं। आपके पास प्रगतिशील और हर स्थिति में जीत हासिल करने वाला दिमाग और रवैया है। आप बहुमुखी प्रतिभा के स्वामी हैं और किसी भी सवाल का जवाब बड़े ही धैर्य के साथ ढूंढने में यकीन रखते हैं। आप जानते हैं कि अपने आस-पास के लोगों को कैसे प्रेरित किया जाए। यह प्रतिभा एवं सम्पन्नता का सूचक है। आपको कानूनी तथा लोक कार्यों अथवा विक्रय कार्यों में अच्छी सफलता मिलती है, आपको दूसरों को समझने की शक्ति में कमी होती है। आपको अपनी कमजोरियों से उठकर तथा कठोरता का त्याग करके परिस्थिति के अनुकूल खुद को परिवर्तित करने की कला विकसित करना आवश्यक है।

कर्मठता के अंक - 6. 7 व 2

आपके लोशु चार्ट में 6. 7 व 2 अंकों की उपस्थिति है। अतः आप सक्रिय रहना चाहते हैं, और शारीरिक गतिविधियां पसंद करते हैं। आप व्यायाम करना व खेलों में हिस्सा लेना भी पसंद करते हैं, आप बहादुर, साहसी और शक्ति के स्वामी हैं। आपका अच्छा गुण है जिस काम के पीछे पड़ जाएँ उसे करके ही छोड़ते हैं, आपके पास शक्ति का विशाल भंडार होता है, और आप इस शक्ति का उपयोग जोखिम के कार्यों में करके, सर्वाधिक प्रसन्नता का अनुभव करते हैं, और काम करने को हमेशा तैयार रहते हैं। अभी कोई चीज चाहिए तो बस चाहिए, थोड़े बेताब होते हैं। आपको हर चीज जल्दी हासिल करने की जिद लगी रहती है, अपने फैसलों को टाल-मटोल नहीं करते, और बस जल्दी फैसले लेते हैं। जिस कारण आपको कई बार पछताना भी पड़ता है, आप निडर स्वभाव के दूसरों की कम सुनते हैं। अपने फैसले खुद ही लेते हैं, आप खेल, घूमना फिरना, विक्री, विपणन व्यवसाय में अच्छे होते हैं। आपको एक जगह बैठकर करने वाला काम पसंद नहीं आता, आपको तो चलते फिरते कार्य पसंद हैं।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमान भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर

कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोथु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालांकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोथु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमें निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और करिश्माई, सहज और

साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।



अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

मंगल दिनांक 23 मार्च से 20 अप्रैल तक एवं 24 अक्टूबर से 21 नवंबर तक पाश्चात्य मत से, सूर्य मेष तथा वृश्चिक राशि में रहता है। भारतीय मत से यह समय 13 अप्रैल से 12 मई एवं 14 नवंबर से 14 दिसंबर होता है। मेष एवं वृश्चिक मंगल की अपनी राशियां हैं। दिनांक 14 जनवरी से 13 फरवरी तक सूर्य मकर राशि में रहता है, जो मंगल कि उच्च राशि है अतः उपर्युक्त समय मूलांक 9 के लिए कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

मंगलवार, शुक्रवार एवं गुरुवार आपके लिए ठीक दिन रहेंगे। आप यदि किसी भी कार्य को करते हैं तो इन्ही दिवसों में प्रारंभ करें और यदि इन दिवसों में अनुकूल तारीखें भी आ जाएं तो श्रेष्ठ फलदायक रहेगा।

शुभ तारीखें

आपके लिए किसी भी अंग्रेजी मास की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 29 एवं 30 तारीखें अधिक अनुकूल रहेंगी। इन तारीखों में महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार के कार्य, अधिकारी या विशिष्ट व्यक्तियों से संबंधित कार्य अथवा पत्र इत्यादि लिखना आपके लिए अधिक उपयुक्त तथा सफलतादायक होंगे।

अशुभ तारीखें

आपके लिए किसी भी अंग्रेजी माह की 1, 7, 10, 16, 19, 20, 25 एवं 28 तारीखें ठीक नहीं हैं। आपके लिए पत्र इत्यादि लिखना या दस्तावेज लिखने हेतु अथवा विशिष्ट अधिकारी से मिलने हेतु या कोई भी नया कार्य प्रारंभ करना हो तो इन तारीखों में प्रारंभ न करें।

मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखों को अथवा 13 अप्रैल से 12 मई एवं 14 नवंबर से 14 दिसंबर तथा 14 जनवरी से 13 फरवरी के मध्य हुआ हो, ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता अच्छी रहेगी तथा रोजगार, व्यापार के क्षेत्र में भी आप उच्चता के शिखर पर पहुंचेंगे। ऐसे व्यक्ति आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

मूलांक 3, 6, 9 वाली महिलाएं तथा जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 दिनाकों में हुआ हो पर वे आपके लिए विश्वसनीय सिद्ध होंगी। ऐसी स्त्रियों से ही आप प्रेम अथवा विवाह संबंध स्थापित कर सकते हैं जो आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा।

अनुकूल रंग

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी, गहरा लाल होने के कारण आपको चाहिए की अपने घर में दीवारें, खिड़कियां, पर्दे आदि का चुनाव करते समय इन रंगों को ध्यान में रखें तथा यदि आपका स्वास्थ्य साथ नहीं दे रहा है तब आप इन रंगों का रुमाल बना कर अपने पास हमेशा रखें तथा कोई भी रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य करते समय इन रंगों के वस्त्र धारण करना न भूलें, जो आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए अच्छा रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए दक्षिण दिशा उत्तमकारी है। अतः आपके लिए मकान या कॉम्प्लेक्स वही शुभ रहेगा जो दक्षिण में स्थित हो। अतः आप शहर की दक्षिण दिशा या भवन की दक्षिण दिशा का चुनाव कर सकते हैं एवं रोजगार-व्यापार की बैठक भी दक्षिण दिशा में रख सकते हैं, जो आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए अच्छा रहेगा। भवन के फ्लैट का क्रमांक का योग 3, 6 या 9 रखना लाभप्रद रहेगा।

शुभ वाहन नं

नये वाहन का पंजीकरण क्रमांक आपके मूलांक 9 या मूलांक के मित्र अंक 6 तथा 3 में से कोई एक लेना हितकर रहेगा, जैसे वाहन पंजीकरण क्रमांक 5238 = 9 इत्यादि होना चाहिए। यदि आप होटल में कमरा आदि बुक करते हैं, तो उसके लिए अंक 108 = 9 होना आपके लिए हितकर रहेगा। अथवा आप वाहन द्वारा यात्रा करते हैं, तो सीट इत्यादि क्रमांक आपके मूलांक या मित्र अंक भाग्यशाली अंक साबित होंगे। इन्हीं शुभ अंकों के प्रभाव से ही आपकी यात्रा सफल हो सकती है।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको क्रोध, झल्लाहट, दुर्घटना, चोट, अंग शैथिल्य, हृदय रोग, रक्तचाप इत्यादि पीड़ा देंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय आप हनुमान की उपासना तथा आराधना करें, मंगलवार का व्रत करें और एक समय भोजन करें।

व्यवसाय

संगठन, संघ संचालक, नियंत्रक, चिकित्सा, ज्योतिष, धर्मोपदेशक, सैन्य विभाग, गोला-बारूद, आतिशबाजी का व्यवसाय, वकालत, औषधि विक्रेता, लौह तथा अन्य धातु संबंधी कार्य अथवा प्रभुता के कार्य। इन सबको अंक 9 में समाविष्ट कर सकते हैं।

व्रतोपवास

मंगलवार को भौम अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। यह व्रत पैतालीस मंगलवार या कम से कम इक्कीस मंगलवारों को करें। लाल वस्त्र धारण करें एवं लाल वस्तुओं का दान करें। यथाशक्ति मंगल के मंत्र का मूंगे की माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आप मूंगा धारण करें। इसके न मिलने पर संगसितारा, लाल हकीक, लाल मून स्टोन धारण कर सकते हैं। इसे आप मंगलवार के दिन, शुक्ल पक्ष में, शुभ चौघड़िया मुहूर्त में, तांबा, सोना, मिश्रित धातु या चांदी में छह से नौ रत्ती का मूंगा बनवा कर, दाहिने हाथ की अनामिका उंगली में त्वचा को स्पर्श करते हुए धारण करें।

अनुकूल देवता

आप मंगल ग्रह की उपासना करें अथवा हनुमान जी की उपासना करने से आपके सभी प्रकार के अरिष्ट दूर होंगे। आप प्रति मंगलवार एवं शनिवार को सुंदर कांड का पाठ किया करें। साथ में हनुमान जी के मंत्र का नित्य एक सौ आठ बार मूंगे की माला पर जप किया करें। हनुमान जी का मंत्र इस प्रकार है : 'हं हनुमत रुद्रात्मकाय हुं फट्'। मंगलवार को एक समय भोजन करें तथा चने एवं मिष्ठान का प्रसाद हनुमान जी को अर्पण करने से आपके सभी कार्य बनेंगे।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए मंगल के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, मंगल गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद, ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

भौम गायत्री मंत्र - ॐ अंगारकाय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्नो भौमः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप मंगल का ध्यान करें, मन में मंगल की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें :

धरणीगर्भसंभूतं विद्युत्कांतिसमप्रभम्।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ मंगल को अनुकूल बनाने हेतु मंगल के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान सौ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ क्राँ क्रीँ क्रौँ सः भौमाय नमः ॥ जप संख्या 10000 ॥

वनस्पति धारण

आप मंगलवार के दिन एक इंच लंबी अनंतमूल की जड़ ला कर, लाल धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधें या स्वर्ण या तांबे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे

मंगल के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक मंगलवार को एक बाल्टी या बर्तन में सौंठ, सौंफ, लाल चंदन, सिंगरफ, माल कांगनी और मौलसरी के फूल आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ मंगल के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध, को मिला कर, चूर्ण कर किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए, स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

मंगल की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को मंगल के पदार्थ-तांबा, सोना, गेहूं, लाल वस्त्र, गुड़, लाल चंदन, लाल पुष्प, केसर, कस्तूरी, लाल वृषभ, मसूर की दाल, पृथ्वी, विद्रुम आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

मंगल को अनुकूल बनाए रखने हेतु मंगल यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।